VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1417)

Name of Candidate	RAVINDRA KUMAR		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	317130
Center	MUKHERJEE NAGAR	Date	03/12/2020

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Dadabhai Naoroji left an indelible imprint on the national movement. Explain. (150 words) 10

दादाभाई नौरोजी ने राष्ट्रीय आंदोलन पर एक अमिट छाप छोड़ी। स्पष्ट कीजिए।

दादाभाई नौरोजी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के वयोवृद्ध नेता के रूप में प्रसिद्ध हुये। इन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन को बहुआयामी व बहुस्तरी रूप से प्रभावित किया।

राष्ट्रीय आंदोलन पर अमिट छाप

* अंग्रेजो की आर्थिक नीति के शोषणकारी चरित्र का उद्घाटन

(i) धन का 'बहिर्गमन' का सिद्धांत (1867)
(ii) प्रोवर्टी एवं अनब्रिटिश रूल इन इंडिया
(iii) इंगलैण्ड डेब्ट टू इंडिया (1870)
(iv) व्यय की गृह मदो को उजागर

उपर्युक्त के माध्यम से इन्होंने लोगो मे अंग्रेजो के विरुद्ध आर्थिक एकता की भावना का विकास किया।

* राजनीतिक भावना का विकास

(i) बाम्बे एशोसियेशन
(ii) ईस्ट इंडिया एशोसियेशन
(iii) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

इन सभी के माध्यम से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोगो को राजनैतिक रूप से सशक्त किया।

* कांग्रेस के उदारवादी चरण के वाहक (1885-1905)

(i) कांग्रेस के तीन बार अध्यक्ष

(ii) उदारवाद के चरण मे क्रमिक सुधारो के माध्यम से राष्ट्रीय आंदोलन को आगे बढाया।

(iii) राष्ट्रीय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1906 की अध्यक्षता के दौरान स्वराज्य को अपनाया।

* पारसी धर्म सुधार व राष्ट्रीय आंदोलन

(i) रहनुमाई माजदायसन सभा से पारसी धर्म मे व्याप्त बुराईयो का विरोध तथा अंग्रेजो की श्वेत व्यक्ति पर भार के सिद्धान्त का विरोध।

स्पष्टतः श्री दादाभाई नारोजीने भारत के राष्ट्रीय आंदोलन को दिशा व स्पष्टता प्रदान की। उदारवादी चरण की सीमाओ के बावजूद इन्होने भारतीय राष्ट्रवाद की नींव रखने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The Quit India movement marked a new direction in the struggle against the British colonial rule in India. Analyse. (150 words) 10

भारत छोड़ो आंदोलन ने भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरूद्ध संघर्ष में एक नई दिशा को चिन्हित किया। विश्लेषण कीजिए।

भारत छोड़ो आंदोलन (1942) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की एक युगांतकारी घटना थी। जिसने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध लड़ाई को एक नई दिशा प्रदान की।

एक नई दिशा के रूप मे भारत छोड़ो आंदोलन

1. स्वत: स्फूर्त आंदोलन के रूप मे प्रत्येक को स्वयं का नेता स्थापित किया।

2. 'करो या मरो' के ऐतिहासिक नारे ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को जीवन की उत्तरजीविता से जोड़ दिया।

3. भारत छोड़ो आंदोलन ने राष्ट्रीय आंदोलन मे सहभागिता के स्तर को बढ़ाया जिसमे समाज के हर वर्ग, तथा हर व्यक्ति का योगदान तय हुआ।

4. समानांतर सरकारो से लोगो मे सरकार चलाने की का आत्मविश्वास प्रदान किया। eg. सतारा, बलिया।

5. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन मे राष्ट्रवादी, उदारवादी, समाजवादी सभी को एक साथ लाकर सामूहिक प्रयास को बढ़ाया।

6. ~~सर~~ ब्रिटिश सरकार को भारत के संदर्भ मे शीघ्र निर्णय लेने हेतु बाध्य किया। यही कारण था कि इसके बाद सुधारों की प्रक्रिया तेज हुई।

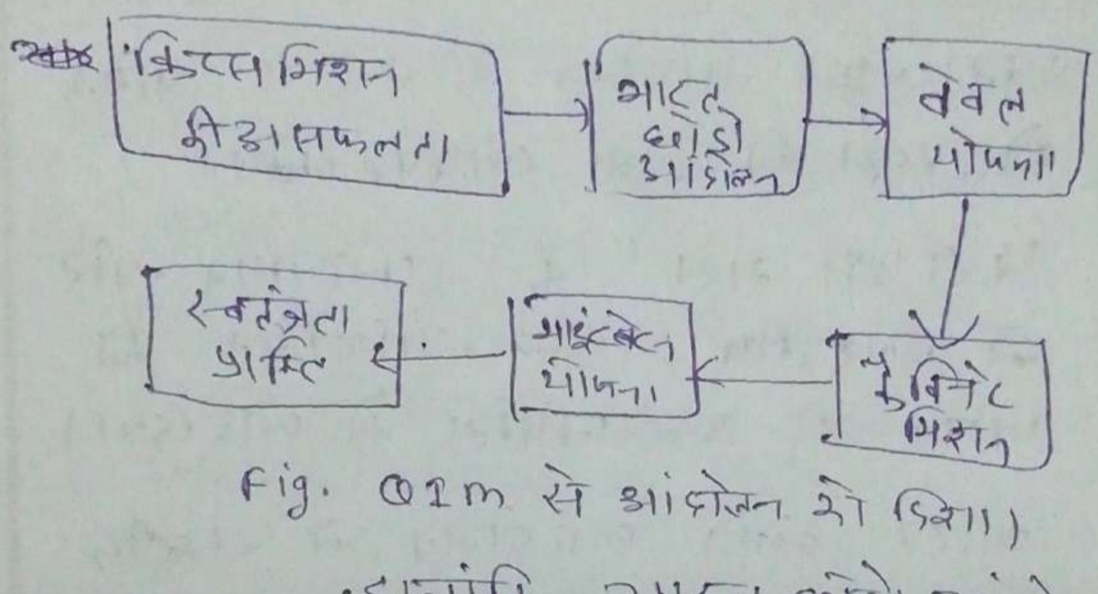

Fig. QIM से आंदोलन को दिशा।

• हालांकि भारत छोड़ो आंदोलन अपने तात्कालिक उद्देश्यों की प्राप्ति मे असफल रहा लेकिन इसने ब्रिटिश सरकार को सुधारों के लिये बाध्य किया और अंततः १९४७ मे भारत को स्वतंत्रता दिलाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The end of World War II marked the birth of a new international order. Examine. (150 words) 10

द्वितीय विश्व युद्ध के अंत ने एक नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को जन्म दिया। परीक्षण कीजिए।

द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) विश्व इतिहास की एक युगांतकारी घटना थी जिसने पुरानी अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था को समाप्त कर नई अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था को जन्म दिया।

द्वितीय विश्व युद्ध (2ww) से पूर्व की अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था।

1. यूरोपीय शक्तियों (फ्रांस, ब्रिटेन) का प्रभुत्व
2. शांति स्थापना के रूप में लीग ऑफ नेशन
3. उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद से पोषित अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति।

2ww के बाद नई व्यवस्था।

1. USA व USSR के रूप में नवीन शक्तियों का उदय।
2. विश्व की द्विध्रुवीयता की ओर बढ़ना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. शीत काल की राजनीति मे प्रवेश।
4. शांति स्थापना के रूप मे संयुक्त राष्ट्र संघ।
5. "वांशिगटन सहमति" के आधार पर वर्ल्ड बैंक व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) जैसी आर्थिक संस्थाएं।
6. वि औपनिवेशीकरण की तरफ बढ़ता कदम।
7. विकासशील देशो का गुट निरपेक्षता (NAM) की तरफ झुकाव बढ़ा
8. यूरोपीय केन्द्रिता मे कमी।

स्पष्टतः 2WW ने विश्व की अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक सोपानो के प्रत्येक स्तर पर प्रभावित किया।

4. The Simla Agreement (1972) and Lahore Declaration (1999) are two key milestones in the history of the Indian subcontinent. Discuss.

(150 words) 10

शिमला समझौता (1972) और लाहौर घोषणा-पत्र (1999) भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में दो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। चर्चा कीजिए।

भारत - पाकिस्तान 1947 की स्वतंत्रता के बाद जन्मे दो नवोदित राष्ट्र थे जिनका विभाजन साम्प्रदायिकता की पृष्ठभूमि मे हुआ। इन दोनो राष्ट्रो ने आपसी विवादो को सुलझाने हेतु शिमला समझौता (1972) व लाहौर घोषणा पत्र (1999) को अपनाया।

शिमला समझौता (1972) की भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास मे योगदान:

1. शिमला समझौता 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध मे पाकिस्तानी समर्पण के बाद सम्पन्न हुआ। इसने युद्ध समाप्ति के माध्यम से शांति स्थापित की।
2. इसने सीजफायर संधि व भारत-पाक के बीच अस्थायी सीमा रेखा (LOC) के माध्यम से तात्कालिक विवादो को आपसी समझौते से ~~संभालने~~ के निपटने की पृष्ठभूमि तैयार की,

3. दोनो देशो को शांतिपूर्ण सहअस्तित्व व भाइचारे की भावना से आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।

4. इस समझौते के बाद दोनो देशो ने आर्थिक सम्बन्धो को सुदृढ़ करने पर कार्य किया।

लाहौर घोषणा पत्र (1999)

1. परमाणु सम्पन्न राष्ट्र के रूप मे एक-दूसरे पर परमाणु युद्ध की संभावना उत्पन्न न होने की प्रतिज्ञा।

2. दोनो देशो के मध्य परमाणु हथियार के संबंध मे जानकारी के आदान प्रदान हेतु मार्ग प्रशस्त किया।

3. लाहौर घोषणा पत्र की महत्ता इसी मे है कि इसने अब तक दोनो देशो को परमाणु युद्ध से बचाया है।

यद्यपि भारत - पाकिस्तान संबंध वर्तमान मे तनावपूर्ण अवस्था मे है लेकिन 1999 करगिल युद्ध के बाद युद्ध की संभावना पर भी युद्ध न होना इन्ही समझौते के कारण संभव हुआ है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Social security should not only involve economic empowerment but also social empowerment. Discuss in the context of India. (150 words) 10

सामाजिक सुरक्षा में न केवल आर्थिक सशक्तीकरण अपितु सामाजिक सशक्तीकरण भी सम्मिलित होना चाहिए। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

- UNDP के अनुसार सामाजिक सुरक्षा से तात्पर्य मानव विकास संसाधन के रूप संधारणीयता व विकास के अवसरों हेतु आवश्यक सुरक्षा की उपस्थिति से है।

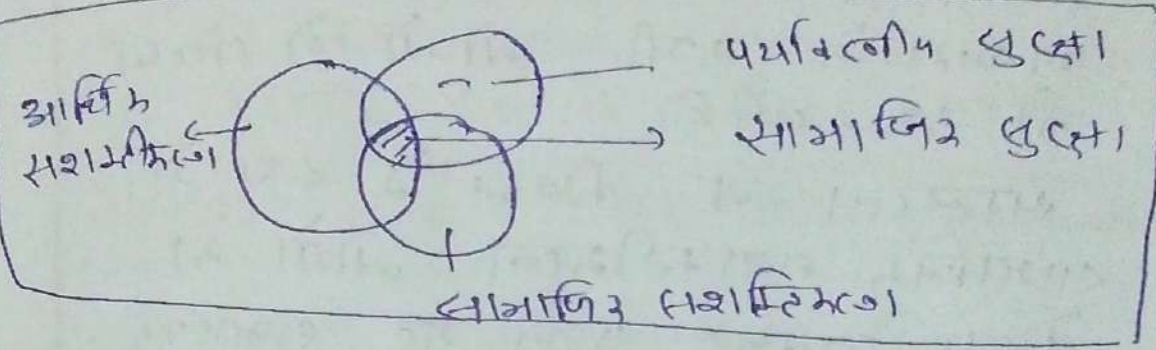

आर्थिक सशक्तीकरण व सामाजिक सुरक्षा

1. आर्थिक सशक्तीकरण आय की असमानता को कम करता है वह गरीबी जनित आपराधिक प्रवृत्ति से समाज की रक्षा करता है।
2. सभी के लिये आर्थिक अवसर व रोजगार हिंसा, यौन शोषण आदि को कम करता है,
3. आर्थिक निर्भरता आर्थिक रूप से नैतिक

Don't write anything in the margin

शक्ति को जन्म देता है जो भ्रष्टाचार व सामाजिक बुराइयों से समाज की रक्षा करता है।
OECD देशों के अनुसार जिन देशों में गिनी गुणांक शून्य के निकट है वहां अपराधों का स्तर कम है।

सामाजिक सशक्तीकरण व सामाजिक सुरक्षा

1. लैंगिक समानता और सामाजिक विषमता में कमी लोगों के संघर्षों को कम करती है
2. साक्षरता व कौशल के रूप में सामाजिक सशक्तीकरण लोगों को बेहतर अवसर प्रदान कर सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है
3. यह नक्सलवाद, वामपंथ, आतंकवाद आदि को रोककर समाज में शांति स्थापित करने का कार्य भी करता है

हालांकि आर्थिक व सामाजिक सशक्तीकरण के साथ-2 पर्यावरण सुरक्षा भी सामाजिक सुरक्षा के लिये आवश्यक है लेकिन आर्थिक व सामाजिक सशक्तीकरण सामाजिक सुरक्षा के लिये आधारभूत भूमिका में स्थापित है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Explain with examples how globalisation is manifested in both local in the global and the global in the local. (150 words) 10

उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए कि वैश्वीकरण वैश्विक में स्थानीय और स्थानीय में वैश्विक, दोनों में किस प्रकार प्रकट होता है।

वैश्वीकरण एक ऐसी स्थिति है जहाँ विभिन्न समूह, समाज व देशो के मध्य आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक तथा तकनीकी स्तर पर दूरी का प्रभाव नगण्य हो जाता है.

वैश्वीकरण ने देशो को एकीकृत कर विभिन्न तत्वो को स्थानीय व वैश्विक रूप मे एकीकृत किया है.

वैश्वीकरण = ग्लोकलाइजेशन + ग्रोबलाइजेशन

वैश्विक मे ~~स्थानीय~~

वैश्वीकरण मे वैश्विक मे स्थानीय

① वैश्वीकरण ने आज वैश्वीकृत समाज मे स्थानीय तत्वो को स्थापित किया है
eg. योग का वैश्वीकरण।

② भारतीय त्योहारो को वैश्विक पटल मे मनाया जा रहा है
eg. हाल ही ब्रिटेन मे दीवाली पर दीपोत्सव

③ ~~व~~ विश्व मे बॉलीवुड, भारतीय भाषा, भोजन आदि का वैश्वीकरण हुआ है
eg. कनाडा मे पंजाबी भाषा को महत्वपूर्ण भाषा का दर्जा।

(4) भारतीय हस्तकला उत्पाद, कला, आदि की वैश्विक मांग भी वैश्वीकरण मे स्थानीय तत्वो को बढ़ावा देती है।

वैश्वीकरण से स्थानीय मे वैश्विक तत्व

(1) भारत मे पश्चिमी भोजन का बढ़ता चलन।
eg. मैकडोनाल्डीकरण, पिज्जा, burger

(2) भारत मे फुटबाल व हॉलीवुड की तरफ बढ़ता रुझान।

(3) भारतीय सांस्कृतिक तत्वो मे वैश्विक तत्वो का प्रयुजन।
eg. इण्डो वेस्टर्न पहनावा

(4) अंग्रेजी भाषा का भारतीयकरण

(5) एकल परिवारो का भारतीय समाज मे बढ़ता प्रचलन

स्पष्टतः वैश्वीकरण ने देशो के मध्य द्विदिशीय संचरण को बढ़ावा दिया जिसके स्थानीय तत्वो मे वैश्विक व वैश्विक तत्वो मे स्थानीय तत्वो की झलक दिखाई पड़ती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. In light of persistence of various forms of violence against women in India, discuss the ways in which the issue can be addressed effectively.
(150 words) 10

भारत में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के विभिन्न रूपों की विद्यमानता के आलोक में, उन उपायों की विवेचना कीजिए जिनसे इस मुद्दे का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सकता है।

भारत एक पितृसत्तात्मक समाज है जिसमे महिलाओ के प्रति अपराधिक प्रवृति देखने मे मिलती है। NCRB के अनुसार प्रत्येक तीसरी महिला हिंसा से पीड़ित है.

भारत मे महिलाओ के विरूद्ध हिंसा के विभिन्न रूप

1. कार्यस्थल पर यौन शोषण।
2. लैंगिक असमानता व पुत्र प्राप्ति की प्रबल इच्छा से नवजात बालिका की हत्या
3. घरेलू हिंसा व दहेज के लिये उत्पीड़न
4. पारिवारिक स्तर पर महिलाओ मे हिंसा

समाधान के उपाय

पारिवारिक स्तर पर.
1. जेण्डर संवेदनशीलता स्थापित करना
2. महिलाओ के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण मे बदलाव हेतु परिवार

की भूमिका निर्धारित करना

सामाजिक स्तर

3. पितृसत्तात्मक समाज में दृष्टिकोण परिवर्तन व अनुनय के माध्यम से महिला के प्रति नकारात्मकता को समाप्त करना।

4. कानून के माध्यम से समाज में महिला ~~स~~ हिंसा के प्रति भय

राजनीतिक व प्रशासनिक स्तर

5. कानूनों के क्रियान्वयन में समन्वय स्थापित करना।
eg. महिला बाल विकास, स्वास्थ्य व कल्याण तथा शिक्षा मंत्रालय में एकरूपता।

6. PCPNDT, विशाखा निर्देश, बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 आदि का प्रभावी कार्यान्वयन।

नवाचार व प्रौद्योगिकी

7. नवाचार के माध्यम से महिला सुरक्षा से युक्त अवसंरचना स्थापित करना।

इस तरह भारत में महिलाओं के प्रति हिंसा को समाप्त करने हेतु बहुस्तरीय तथा बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिये।

8. What is an urban forest? Highlight its benefits and steps taken by the government to promote urban forestry in India. (150 words) 10
शहरी वन क्या है? इसके लाभों और भारत में शहरी वानिकी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालिए।

शहरी वन से तात्पर्य शहरी सीमा के अन्तर्गत अधिसूचित भूमि पर वनो की उपस्थिति से है। IFSR 20 भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2019 के तहत भारत मे शहरी क्षेत्रो मे 10% से भी कम स्थल पर वन है।

शहरी वन के लाभ

1. शहरो की संधारणीय मे वृद्धि (SDG11)
2. जैव विविधता संरक्षण व पर्यावरणीय संसाधनो की गुणवत्ता बनी रहना।
3. पर्यावरण प्रदूषण व जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावो मे कमी।
4. वायु गुणवत्ता सूचकांक व शहरी परिवेश की स्वच्छता मे वृद्धि।
5. नगरीय ऊष्मा नगरीय द्वीप व प्रदूषण गुम्बद की समस्या मे कमी।
6. शहरी क्षेत्र मे रोजगार के अवसरो मे बढ़ोत्तरी।

भारत मे शहरी वानिकी को बढ़ावा देने हेतु सरकारी कदम।

(1) नगर वन योजना - हाल ही मे भारत के 200 शहरो मे वन लगाने के लिये यह योजना प्रारंभ की है।

(2) राष्ट्रीय वन नीति 1988 - इस नीति मे शहरी क्षेत्रो मे 22% वनो की प्रतिबद्धता तक की है।

(3) पर्यावरण संरक्षण कानून 1986 के तहत शहरो मे वनीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।

(4) शहरी क्षेत्रो मे हरित पट्टी का विकास व राष्ट्रीय हरित राजमार्ग योजना।

(5) ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम हेतु ग्रीन मफलर तथा हरित भवन को बढ़ावा।

यद्यपि शहरी क्षेत्रो मे वनो का प्रतिशत बेहद कम है लेकिन सकारात्मक बात यह है कि हम सजग होकर शहरी वानिकी की तरफ आगे बढ़ रहे है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. How has globalization impacted the location of the IT industry?

(150 words) 10

वैश्वीकरण ने IT उद्योग की अवस्थिति को किस प्रकार प्रभावित किया है?

भारत की अर्थव्यवस्था मे लगभग 60% योगदान सर्विस क्षेत्र का है जिसमे लगभग 40% योगदान IT उद्योग का है.

वैश्वीकरण ने IT उद्योग की अवस्थिति को सकारात्मक व नकारात्मक दोनो ही रूपो मे प्रभावित किया है.

सकारात्मक प्रभाव

1. वैश्वीकरण ने BPO (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्स) के माध्यम से IT उद्योग मे विकेंद्रीकरण की प्रवृत्ति को जन्म दिया।
2. वैश्वीकरण ने IT उद्योगो को अधिक कौशल व कम श्रमिक लागतो वाले क्षेत्रो मे स्थापित किया है.
   eg. भारत मे बेंगलोर व हैदराबाद
3. वैश्वीकरण के कारण नवाचारो व प्रौद्योगिकी के विस्तार ने IT उद्योग को विकासशील देशो की तरफ मोडा है
   eg. अफ्रीका महाद्वीप की ओर बढ़ता IT उद्योग।
   eg. केन्या, द० अफ्रीका

4. वैश्वीकरण ने IT उद्योग की बड़ी कम्पनियों की प्रत्येक देश मे प्रभावी आर्थिक उपस्थिति (EEP) सुनिश्चित की है जिससे MNC मे बढ़ोत्तरी हुई है
eg. IBM, इंफोसिस

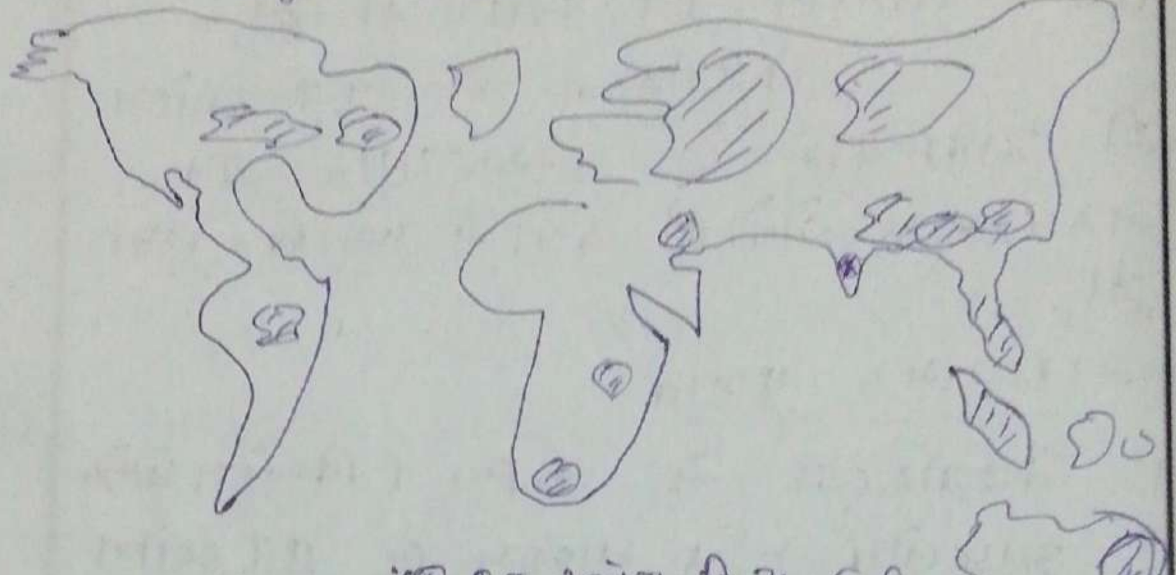

IT उद्योग की अवस्थिति

नकारात्मक रूप से प्रभावित

1. वैश्वीकरण ने अविकसित देशों व विकासशील देशों मे बिना मूलभूत उपस्थिति के नवीन आर्थिक साम्राज्यवाद को बढ़ावा दिया।
2. IT उद्योग के स्वदेशी स्वरूप को बाधित कर विशाल कम्पनियों द्वारा बाजार को बाधित कर नवीन कंपनियों को बाधित किया है।

स्पष्टतः वैश्वीकरण ने सकारात्मक व नकारात्मक रूप से IT उद्योग की अवस्थिति को प्रभावित किया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. How can eco-tourism be used to sustainably harness the potential of tourism industry in India? Discuss the challenges and steps taken by the government in this context. (150 words) 10

भारत में पर्यटन उद्योग की क्षमता का संधारणीय रूप से दोहन करने हेतु पारिस्थितिकीय पर्यटन का कैसे उपयोग किया जा सकता है? इससे जुड़ी चुनौतियों और इस संदर्भ में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिए।

यूनेस्को के अनुसार भारत मे पर्यटन क्षेत्र मे व्यापक संभावना निहित है। वही विश्व बैंक पर्यटन उद्योग की क्षमता को संधारणीय बनाने हेतु पारिस्थितिकीय पर्यटन को बढ़ावा देने का सुझाव देती है.

पर्यटन उद्योग की संधारणीयता व पारिस्थितिकीय पर्यटन

1. पारिस्थितिकी पर्यटन पर्यटन स्थलो की संधारणीयता बनाये रखता है और सतत विकास लक्ष्यो की प्राप्ति हेतु आवश्यक है.

2. पारिस्थितिकी पर्यटन मानव पर्यटन व पर्यावरण मे सकारात्मक संबंध स्थापित करता है जिससे पर्यावरण संरक्षण भी निश्चित होता है

3. पारिस्थितिकीय पर्यटन पारितंत्र सेवाओ जैसे नदी, जल प्रपात आदि के प्रति लगाव बढ़ाकर पर्यटन उद्योग को मजबूत करता है.

सरकार द्वारा उठाये गये कदम

① प्रसाद योजना → धार्मिक पर्यटन स्थलों को संधारणीय बनाने हेतु यह योजना संचालित है

② हृदय योजना → ऐतिहासिक विरासत स्थलों के संरक्षण से संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा देती है

③ तटीय ~~क्षेत्र~~ विनियमन क्षेत्र (CRZ) व क्लीन सीज कैम्पेन से समुद्री तटों की स्वच्छता।

④ "स्वच्छ ~~इ~~ आइकॉनिक प्लेस" के प्रमाणीकरण से पर्यटन स्थलों की सुरक्षा

⑤ पर्यटन पर्व व देखो अपना देश आदि योजनाएं संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा देती हैं

स्पष्टतः भारत में पर्यटन उद्योग की संधारणीय सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न योजनाओं को सफल बनाते हुये चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The advent of Buddhism and Jainism was instrumental in the development of architecture in ancient India. Discuss. (250 words) 15

प्राचीन भारत में स्थापत्य कला के विकास में बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उद्भव सहायक रहा। चर्चा कीजिए।

प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला अत्यंत व कलात्मक रचनात्मक से समृद्ध थी। जिसमे हड़प्पा काल से लेकर पूर्व मध्यकाल तक कई उतार चढ़ाव आये।

प्राचीन स्थापत्य कला व बौद्ध धर्म

1. बौद्ध के कारण स्थापत्य कला मे बौद्ध विहार व चैत्य के निर्माण की परम्परा शुरु हुई।
   eg. भाजा, कार्ले के चैत्य व विहार
2. स्तूपो का निर्माण बौद्ध धर्म की स्थापत्य कला का ही परिणाम था। जिसमे महात्मा बुद्ध से प्रेरित होकर स्तूपो का निर्माण हुआ।
   eg. अमरावती, साँची, भरहुत
3. बौद्ध धर्म से प्रेरित होकर मौर्य काल मे स्थापत्य कला का विकास हुआ।
   eg. स्तम्भ व अभिलेख
4. बौद्ध धर्म के प्रभाव के कारण गांधार, मथुरा व अमरावती मूर्तिकला शैलियो का विकास हुआ।

5. बौद्ध धर्म के प्रभाव से पहाड़ी काटकर गुफा निर्माण की परम्परा की शुरुआत हुई

eg. नागार्जुनी, बराबर की पहाड़ियों की गुफा, अजंता

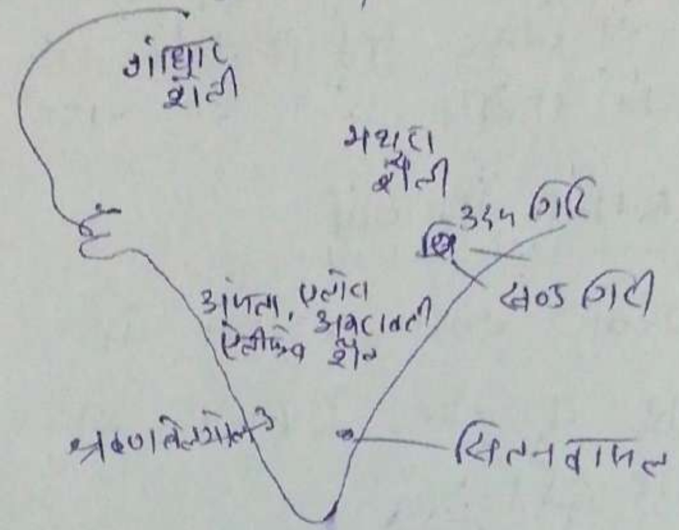

Fig. बौद्ध धर्म व जैन धर्म की स्थापत्य कला

<u>जैन धर्म तथा स्थापत्य कला का विकास</u>

1. जैन धर्म के कारण भी पहाड़ी काटकर गुफा निर्माण की परम्परा को बढ़ावा मिला।

eg. उदयगिरि व खण्डगिरि

2. जैन धर्म ने भारत में एकाश्म पत्थर से निर्मित मूर्तियों के निर्माण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

को बढ़ावा दिया।
  eg. श्रवणबेलगोला की महाबली की मूर्ति

3. जैन धर्म के कारण मंदिर निर्माण की परम्परा भी चली। और तमिलनाडु के सीतनवासल में गुफा व मंदिर दोनों के साक्ष्य प्राप्त हुये है
  eg. पारसनाथ का जैन मंदिर

4. जैन धर्म से प्रेरित होकर बिहार निर्माण व चैत्य निर्माण को बढ़ावा मिला। जैन मुनियों के पूजा व निवास स्थान हेतु इनका निर्माण किया गया।

स्पष्टतः प्राचीन भारत में जैन व बौद्ध धर्म के उद्भव ने स्थापत्य कला को नई दिशा प्रदान की है।

12. The reactionary policies of Lord Lytton and the liberal policies of his successor Lord Rippon acted as catalyst in the formation of the Indian National Congress. Discuss. **(250 words) 15**

लॉर्ड लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियों और उसके उत्तराधिकारी लॉर्ड रिपन की उदार नीतियों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन में उत्प्रेरक का कार्य किया। चर्चा कीजिए।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885) की स्थापना भारतीय ब्रिटिश शासन में एक जलविभाजक के रूप में हो जिसने राष्ट्रवाद को निर्माण बढ़ावा दिया।

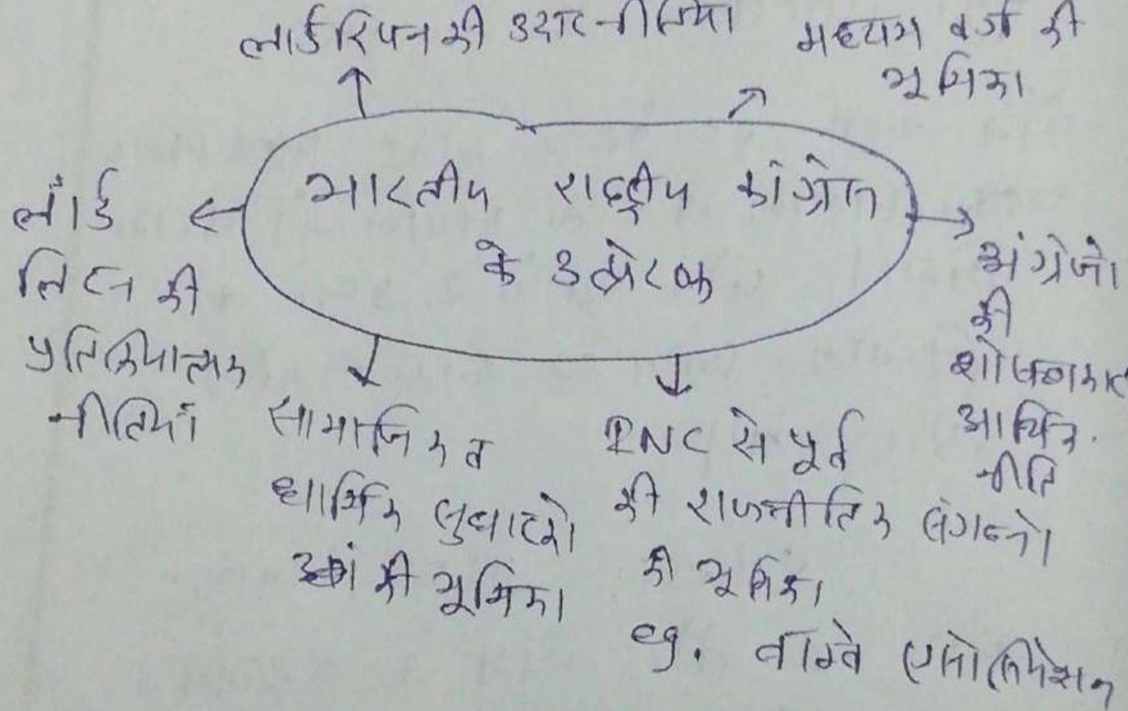

INC के गठन के उत्प्रेरक के रूप में लॉर्ड लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियां :-

लॉर्ड लिटन (1876-78) ने भारत के विरुद्ध आक्रमकता अपनाते हुये निम्न नीतियों को अपनाया।

1. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1878)- इस अधिनियम के तहत लार्ड लिटन ने मातृभाषा व स्थानीय भाषा में समाचार पत्रों के अंकन पर रोक लगा दिया। जिसका प्रभाव सोमप्रकाश व अमृत बाजार पत्रिका पर नकारात्मक पड़ा। इसने अंग्रेजों के खिलाफ भारतीयों को एकजुट किया।

2. सिविल सेवा की आयु योग्यता में कमी :-
लिटन भारतीय सिविल सेवा के उच्च पदों पर भारतीयों को रोकना चाहते थे। इसलिये उन्होंने आयु योग्यता को 21 वर्ष से कम कर 19 वर्ष कर दिया।

3. आर्म्स एक्ट :- इस अधिनियम के माध्यम से लिटन ने भारतीय को सुरक्षा के लिये हथियार रखने पर पाबंदी लगा दी।

इन सब नीतियों ने प्रतिक्रियात्मक रूप से INC के गठन का आधार प्रस्तुत किया।

लार्ड रिपन की उदार नीतियां व INC का गठन

लार्ड रिपन (1880-1884) मे लार्ड लिटन के उत्तराधिकारी के रूप मे पद ग्रहण किया और उदारवादी नीतियां अपनाई।

(1) इल्बर्ट बिल:- इस बिल के माध्यम से भारतीय न्यायधीशो को यूरोपीय समुदाय के निर्णयो हेतु सशक्त बनाया जाना था। लेकिन भारी विरोध के कारण यह बाधित हो गया।

(2) वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट का निरसन:- लार्ड रिपन ने इस एक्ट का निरसन किया और प्रेस के मुक्तिदाता के रूप मे प्रसिद्ध हुये।

(3) स्त्री शिक्षा के लिये प्रोत्साहन

स्पष्टतः INC के निर्माण मे लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियो व लार्ड रिपन की उदारवादी नीतियो ने एक उत्प्रेरक के रूप मे कार्य किया।

13. Gandhiji changed his methods of struggle against the British from time-to-time to suit the varied circumstances and problems that needed to be tackled. Analyse.

(250 words) 15

गांधी जी ने विभिन्न परिस्थितियों और समस्याओं जिनसे निपटने की आवश्यकता थी, के अनुकूल समय-समय पर अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष की अपनी विधियों में परिवर्तन किया। विश्लेषण कीजिए।

महात्मा गाँधी भारत ही नही सम्पूर्ण विश्व के लिये प्रेरणादायी है। गाँधीजी ने अपने दर्शन व आध्यात्मिक प्रज्ञता के कारण अनुकूल समय-2 पर अंग्रेजो के विरुद्ध संघर्ष की अपनी विधियो मे परिवर्तन किया।

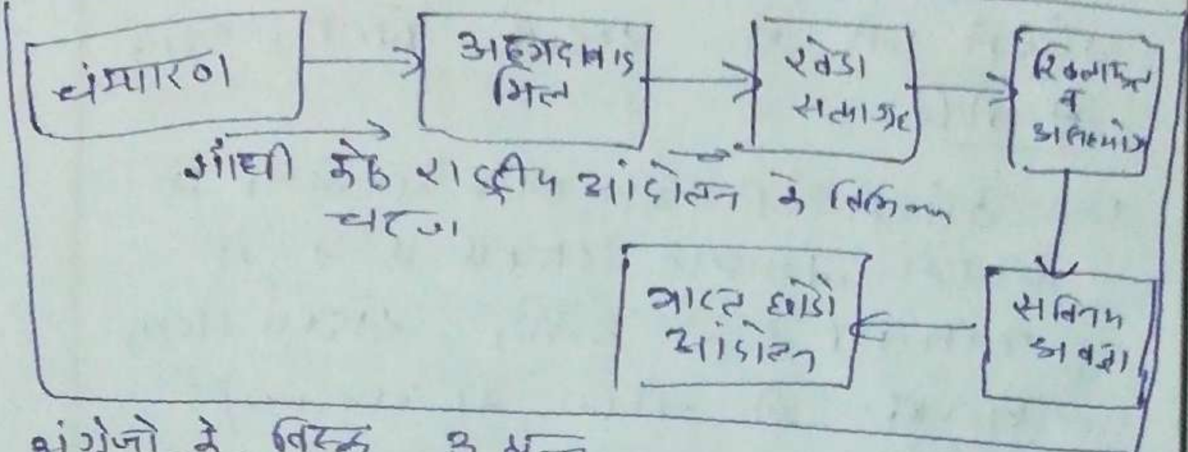

अंग्रेजो के विरुद्ध उत्पन्न परिस्थितियाँ तथा समस्याएँ

① आंदोलन के सतत संघर्ष व विराम संबंधी समस्या।

② आंदोलन के दौरान उपयुक्त विधियो की प्रतिज्ञता।

(3) आंदोलन की मे जनभागीदारी की समस्याएं

(4) आंदोलन के अखिल भारतीय स्वरूप संबंधी समस्याएं

(5) आंदोलन मे धार्मिक सौहार्द बनाये रखने की समस्या।

गाँधीजी द्वारा विधियों मे परिवर्तन

1. गाँधी जी की संघर्ष विराम संघर्ष की नीति

↳ गाँधी जी को जब ये लगा कि जनता लगातार संघर्ष करने मे असमर्थ है तो उन्होंने संघर्ष विराम संघर्ष की नीति को अपनाया।

2. हिंसा होने पर आंदोलन समाप्त कर रचनात्मकता की ओर बढ़ाना।

→ चौराचौरी कांड मे हिंसा होने पर असहयोग आंदोलन की वापसी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. आंदोलन के अतिरिक्त आतंकी स्वरूप के लिये दांडी मार्च व केरल में मोपला विद्रोह में पहुँच कर अपनी नीति को अतिरिक्त आतंकी रूप प्रदान किया।

4. असहयोग व अहिंसा व सत्याग्रह की नीति :- गांधी ने अंग्रेजी स्वरूप के पूरे चरित्र को समझने के बाद असहयोग व सत्याग्रह की नीति का सहारा लिया।

5. <u>विश्व युद्ध के दौरान नीति में परिवर्तन</u>
→ विश्व युद्ध के दौरान मानवीय नैतिकता पर टिके रहने की नीति का अनुसरण किया।

6. धार्मिक समरसता हेतु खिलाफत व असहयोग आंदोलन का विलय।

स्पष्टतः महात्मा गांधी ने आकांक्षाओं का उचित प्रतिक्षण कर अंग्रेजों के विरुद्ध अपनी नीतियों में परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन किया।

14. Bring out the relationship between the industrial revolution and the advent of imperialism in different parts of the world. (250 words) 15

औद्योगिक क्रांति और विश्व के विभिन्न भागों में साम्राज्यवाद के आरंभ के मध्य संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

औद्योगिक क्रान्ति ~~उ~~ उत्पादन की ऐसी अवस्था हेतु परिवर्तन की अभिलाषा व अवस्था हेतु परिवर्तन की शक्ति जिसमे मानव शक्ति ~~को~~ श्रम की शक्ति पर वरीयता दी गई। यह 18-19 वी सदी के ~~शुरुआत~~ व ~~अ~~ विश्व की विशेषता थी।

वही साम्राज्यवाद किसी मातृदेश द्वारा दूर स्थित देशो ~~के~~ की आर्थिक, राजनैतिक व सामाजिक नीतियो के नियंत्रण की स्थिति है। यूरोप में साम्राज्यवाद की शुरुआत 15-17 वी शताब्दी मे प्रारंभ हुई।

औद्योगिक क्रान्ति व विभिन्न भागो मे साम्राज्यवाद के मध्य संबंध

1. औद्योगिक क्रान्ति को साम्राज्यवाद का ही परिणाम माना जाता है जिसके अ संसाधनो की खोज साम्राज्यवाद को बढ़ावा देती है।

2. उत्तरी अमेरिका के ~~पश्चिमी~~ पूर्वी तटीय क्षेत्र व कैरेबियाई देशो मे

Don't write anything in this margin
इस भाग में कुछ मत लिखें

साम्राज्यवाद व उपनिवेशवाद हेतु ब्रिटेन, फ्रांस व पुर्तगाल मे प्रतिस्पर्धा औद्योगिक क्रांति का ही परिणाम था

3. द० अमेरिका मे बागानी कृषि हेतु श्रमिको की आवश्यकता व संसाधनो के यूरोप की ओर प्रवाह के कारण द० अमेरिका मे साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला

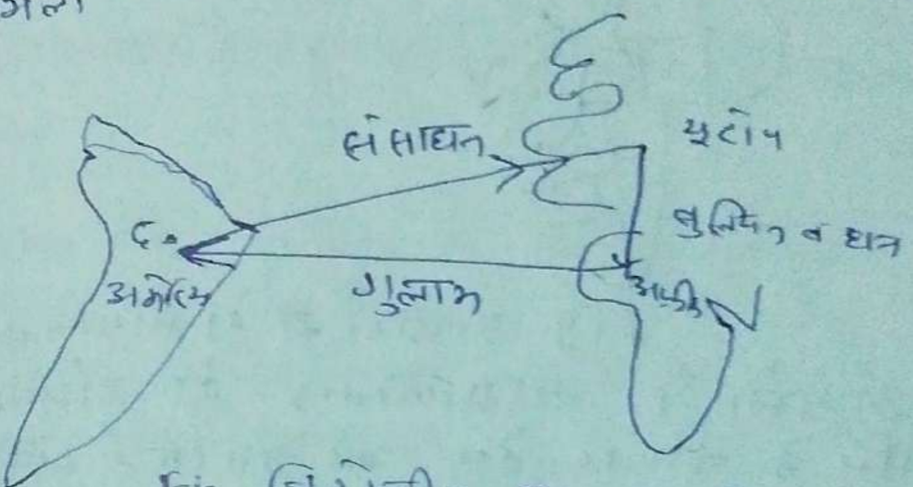

Fig. त्रिकोणीय व्यापार की अवस्था।

4. द० एशिया व द० पूर्वी एशिया मे साम्राज्यवाद यहाँ के मसालो, संसाधनो के यूरोपीय प्रवाह हेतु ही प्रेरित था। eg. भारत, चीन, इण्डोनेशिया मे साम्राज्यवाद।

5. अफ्रीका में साम्राज्यवाद यूरोपीय महत्वाकांक्षा का चरम था जिसने मानचित्र पर सीमा निर्धारित कर अफ्रीका के संसाधनों पर यूरोपीय औद्योगिक क्रान्ति का लाभित स्थापित किया

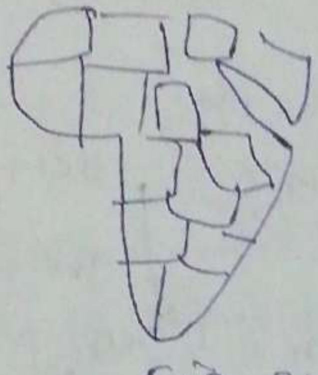

Fig. अफ्रीका में साम्राज्यवाद

6. अंग्रेजों ने साम्राज्यवाद को औद्योगिक क्रान्ति के बाजार हेतु भी प्रसारित किया। और पूर्वी एशिया तक नियंत्रण का प्रयास किया।

स्पष्टतः विश्व के विभिन्न भागों में साम्राज्यवाद औद्योगिक क्रान्ति के लिये संसाधन व बाजार उपलब्धता का ही परिणाम थी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. The caste system in India has continued to persist by adapting itself to a variety of changing socio-economic and political conditions in the past few decades. Discuss. (250 words) 15

भारत में जाति व्यवस्था विगत कुछ दशकों में परिवर्तित होती विभिन्न सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप अपने आपको ढालकर विद्यमान है। चर्चा कीजिए।

भारत मे जाति व्यवस्था एक प्रमुख सामाजिक विशेषता है जो प्राचीन काल से वर्तमान तक भी विद्यमान है। वर्तमान मे भी परिवर्तित रूप मे यह व्यवस्था के विभिन्न सोपानो पर आज भी विद्यमान है.

जाति व्यवस्था व सामाजिक स्थितियों के अनुरूप बदलाव

1. वर्तमान मे समाज में जाति व्यवस्था विद्यमान है ~~क~~ हालांकि यह ~~व~~ क्षीण हुई है और वर्ग संघर्ष के रूप मे आज भी विद्यमान है.

2. सोशल मीडिया व अन्य सामाजिक प्लेटफोर्मो मे जाति आधारित समूह ने जाति व्यवस्था का डिजिटलीकरण कर दिया है.

3. वर्तमान मे खाप पंचायत, व गोत्र की ~~आवस्था~~ अवधारणा इसी जाति व्यवस्था का एक रूप है.

4. आज भी जाति के आधार पर श्रम विभाजन देखने को मिलता है.
   eg. मैनुअल स्कैवेंजिंग में SC समुदाय का नियोजित होना।

जाति व्यवस्था व आर्थिक स्थितियों के अनुरूप बदलाव

1. आर्थिक गतिविधियों में भी जाति आधारित भेदभाव दिखाई पड़ता है
   eg. कार्यों का वंशानुकरण होना
   बढ़ई के बेटा बढ़ई, कारीगर का बेटा कारीगर आदि।

2. आर्थिक संसाधनों के केन्द्रीकरण में भी जातिगत विषमता देखने को मिलती है
   eg. मारवाड़ी संस्कृति व जाति व्यवस्था।

जाति व्यवस्था व राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप बदलाव

1. जाति आधारित वोट बैंक की राजनीति।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. जाति आधारित राजनैतिक आरक्षण की व्यवस्था ने जाति व्यवस्था का आरक्षणीकरण कर दिया है.

3. जाति आधारित नीतियो व योजनाओ निर्माण ने भी जाति व्यवस्था को परिवर्तित रूप से वर्तमान मे भी स्थापित किया है.

eg. SC व ST की पृथक योजनाएं

4. जातिगत जनगणना की नीति भी जाति व्यवस्था की विद्यमानता का एक कारण रही है

यद्यपि वर्तमान मे भी जाति व्यवस्था विद्यमान है लेकिन वैश्वीकरण व अन्य कारको से इसकी तीव्रता मे कमी आयी है और वर्तमान मे निहित चुनौतियो के समाधान के माध्यम से इसे समाप्त किया जा सकता है.

16. It is argued by some that regionalism is a threat to national integrity while others consider it as a highly impactful tool in facilitating political participation. Discuss. (250 words) 15

कुछ लोगों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि क्षेत्रवाद राष्ट्रीय अखंडता के लिए एक खतरा है, जबकि अन्य लोग इसे राजनीतिक सहभागिता को सुगम बनाने में एक अति प्रभावशाली साधन मानते हैं। चर्चा कीजिए।

क्षेत्रवाद एक ऐसी स्थिति है जिसमे लोगो को अपने क्षेत्र, भाषा, सांस्कृतिकता आदि के प्रति लगाव होता है थोरात आयोग के अनुसार क्षेत्रवाद एक सकारात्मक अवधारणा है लेकिन इसका प्रयोग नकारात्मकता को बढ़ावा देता है।

क्षेत्रवाद के संबंध मे विभिन्न सामाजिक विचारको के अलग-2 मत है कई इसे राष्ट्रीय अखंडता के लिये खतरा मानते है वही कुछ इसे राजनीतिक सहभागिता को सुगम बनाने का साधन मानते है.

<u>क्षेत्रवाद के विपक्ष मे विचारको का तर्क</u>

(1) क्षेत्रवाद अलगाववाद को बढ़ावा देता है और ~~अपने~~ राष्ट्र से पृथक होकर नये राष्ट्र के निर्माण की मांग करता है
e.g. खालिस्तान की मांग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. क्षेत्रवाद दूसरे राज्यों के सांस्कृतिक तत्वों के प्रति विरोध को बढ़ावा देता है और संघर्ष का बढ़ावा देता है।

eg. भूमि पुत्र की अवधारणा।
महाराष्ट्र में बिहारी श्रमिकों का विरोध

3. क्षेत्रवाद से पृथक राज्य की मांग को बढ़ावा देता है जो देश की प्रशासनिक सुगमता को बाधित करता है।

eg. बोडो लैण्ड की मांग।

4. क्षेत्रवाद के कारण आंतकवाद, चरमपंथ, नाग पंथ व नक्सलवाद आदि को बढ़ावा मिलता है।

eg. ① उत्तर पूर्व मे क्षेत्रवाद
② LWE का विस्तार व क्षेत्रवाद

5. क्षेत्रवाद अगर अधिक चरम रूप लेता है तो यह संगठित अपराध को बढ़ावा देता है

eg. जम्मू कश्मीर मे संगठित अपराध।

क्षेत्रवाद के पक्ष मे विचारों का तर्क

① क्षेत्रवाद सांस्कृतिक तत्वों के प्रति विशेष लगाव के माध्यम से विविधता मे एकता का पोषक है।

② क्षेत्रवाद अपने सकारात्मक रूप में राज्यों के मध्य सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है
eg. एक भारत श्रेष्ठ भारत

③ क्षेत्रवाद क्षेत्रीय राजनीति को बढ़ावा देता है जो राजनीतिक सहभागिता को अधिक जमीनी स्वरूप प्रदान करता है.

④ क्षेत्रवाद में अपने सांस्कृतिक तत्वों के प्रति लगाव होता है जिससे सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को बढ़ावा मिलता है और सर्वपंथ समादर व वसुधैव कुटुम्बकम् को बढ़ावा मिलता है.

स्पष्टतः नकारात्मक रूप में क्षेत्रवाद राष्ट्रीय अखण्डता को खतरा है अतः इसकी नकारात्मकता को समाप्त करते हुये इसकी सकारात्मकता के लाभों को प्राप्त किया जाना चाहिये।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

17. Natural gas has become an important primary energy source and its consumption is projected to increase further. Identify various usages of natural gas and give a brief account of its distribution globally.

प्राकृतिक गैस एक महत्वपूर्ण प्राथमिक ऊर्जा स्रोत बन गया है तथा इसके उपभोग में आगे और वृद्धि होने का अनुमान है। प्राकृतिक गैस के विभिन्न उपयोगों की पहचान कीजिए और विश्व स्तर पर इसके वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(250 words) 15

ऊर्जा मानव विकास का प्रमुख संसाधन है जिसमे प्राकृतिक गैस का महत्वपूर्ण योगदान है। प्राकृतिक गैस की उपयोगिता भविष्य मे इसकी इसके उपभोग की दर को बढ़ायेगी।

प्राकृतिक ~~गैस~~ गैस के क्षेत्र पेट्रोलियम पदार्थों वाले क्षेत्रो मे अवसादी शैलो के ऊपर ~~प्र~~ प्राप्त होती है.

प्राकृतिक गैस के विभिन्न उपयोग

1. प्राकृतिक गैस का उपयोग विद्युत उत्पादन मे किया जाता है।
2. प्राकृतिक गैस संचालित परिवहन सुविधाएं
   eg. CNG चालित बैस
3. प्राकृतिक गैस का उपयोग ऑटोमोबाइल क्षेत्र मे कर पर्यावरण प्रदूषण से बचा जा सकता है.

(4) प्राकृतिक गैस का उपयोग रासायनिक उर्वरकों के निर्माण में भी किया जाता है।
e.g. यूरिया के निर्माण में नेफ्थलीन अथवा प्राकृतिक गैस का उपयोग

(5) प्राकृतिक गैस का उपयोग घरेलू कार्यों में कर आंतरिक प्रदूषण की समस्या से भी बचाव के लिये भी किया जाता है।

(6) प्राकृतिक गैस का उपयोग कृषि व औद्योगिक क्षेत्रों में ऊर्जा पूर्ति व विभिन्न रसायनों के निर्माण के लिये भी किया जाता है।

<u>प्राकृतिक गैस का वितरण</u>

प्राकृतिक गैस अवसादी चट्टानों व पेट्रोलियम पदार्थों के ऊपर शैलों के रन्ध्रों के मध्य उपस्थित होती है। ये मुख्यतः निम्न क्षेत्रों में पाई जाती है।

(1) समुद्र तलीय क्षेत्र – गैस हाइड्रेट
(2) मध्यमहाद्वीपीय क्षेत्रों

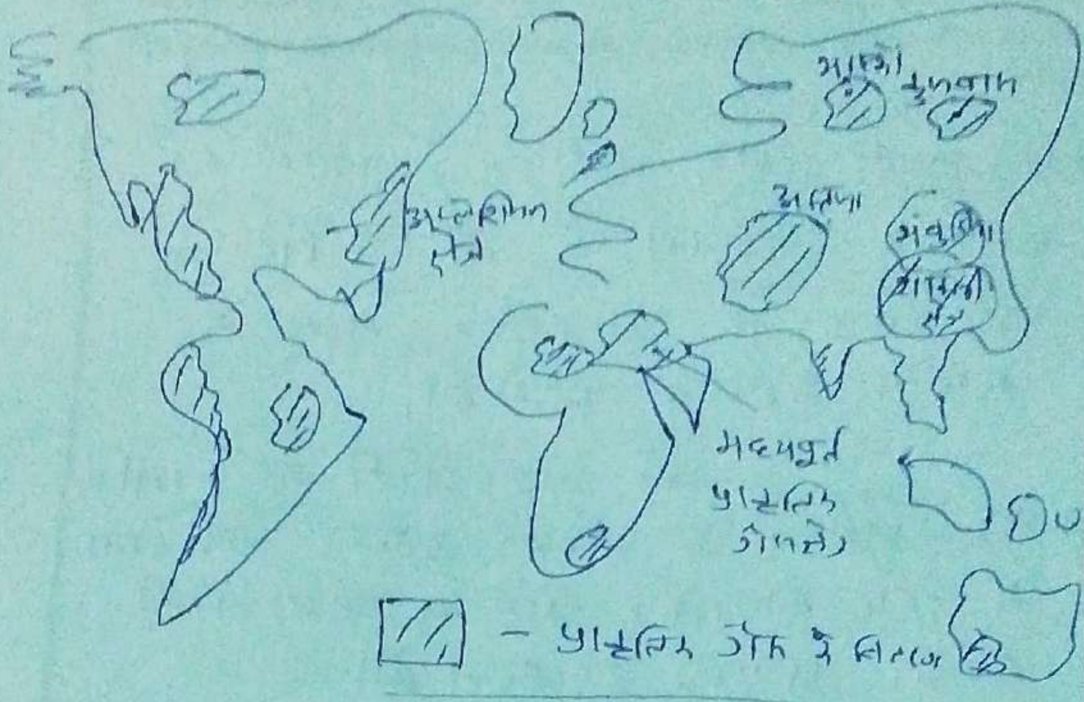

भारत में कावेरी, गोदावरी बेसिन, राजस्थान के बाड़मेर, असम व पश्चिमी तटीय क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस का वितरण मिलता है।

स्पष्टतः प्राकृतिक गैस के बहु उपयोग इसके उपयोग की दर में वृद्धि करेंगे। हालांकि वितरण के संदर्भ में प्राकृतिक गैस का वितरण पर्याप्त असमानताओं से ग्रसित है जिसके लिये पाइपलाइन का प्रयोग किया जाना चाहिये।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Describe the process of rift valley formation, with special emphasis on the Great Rift Valley System. **(250 words) 15**

महान भ्रंश घाटी प्रणाली पर विशेष बल देते हुए, भ्रंश घाटी के निर्माण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

भ्रंश घाटी एक तृतीयक प्रकार का भौतिक उच्चावच है जो विभिन्न बहिर्जात व अन्तर्जात बलों के कारण उत्पन्न होती है.

भ्रंश घाटी का निर्माण तनाव (Tension) प्रक्रिया के कारण उत्पन्न भ्रंश रेखा के सहारे होता है. महान भ्रंश घाटी इसका प्रमुख उदाहरण है.

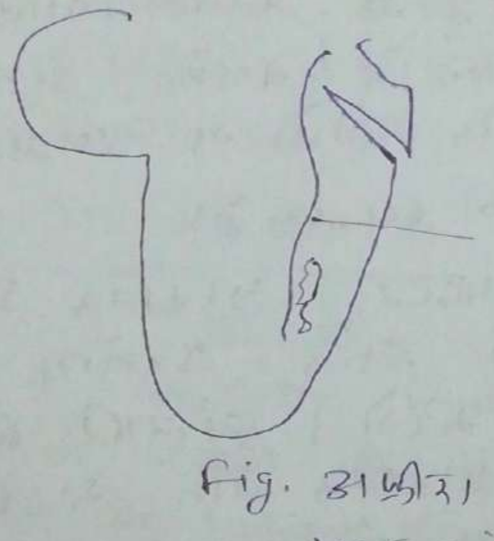

महान भ्रंश घाटी

Fig. अफ्रीका महाद्वीप मे महान भ्रंश घाटी

भ्रंश घाटी के निर्माण की प्रक्रिया

① भ्रंश घाटी का निर्माण चट्टानो पर उत्पन्न तनाव बल के कारण होता है। जिसमे भ्रंशन रेखा के सहारे चट्टानो मे खिसकाव होता है।

② जब भ्रंशन रेखा के सहारे चट्टानो मे दो अलग-2 दिशाओ मे गति होती है तो भ्रंश घाटी का निर्माण होता है।

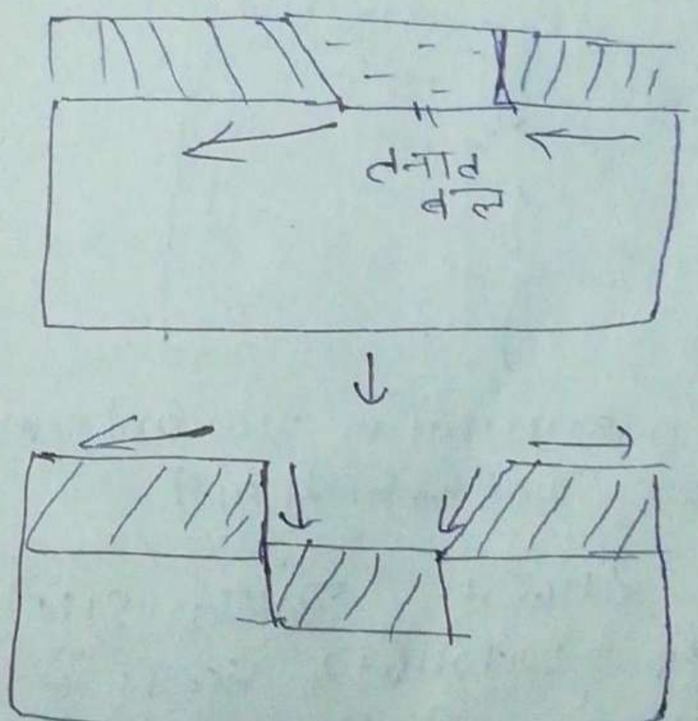

भ्रंश घाटी का निमा०.

eg. नर्मदा घाटी, दामोदर घाटी

anything in margin

(3) महान भ्रंश घाटी मे उत्तर से दक्षिण दिशा मे आये भ्रंशन रेखा के सहारे चट्टानो मे गति होती हुई। और महान भ्रंश घाटी का निर्माण हुआ।

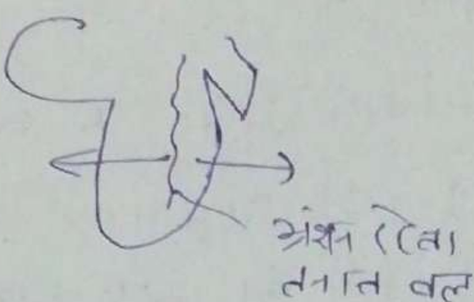

(4) कभी-2 प्लेटो के अपसारी सीमान्त पर भी भ्रंश घाटी का निर्माण होता है

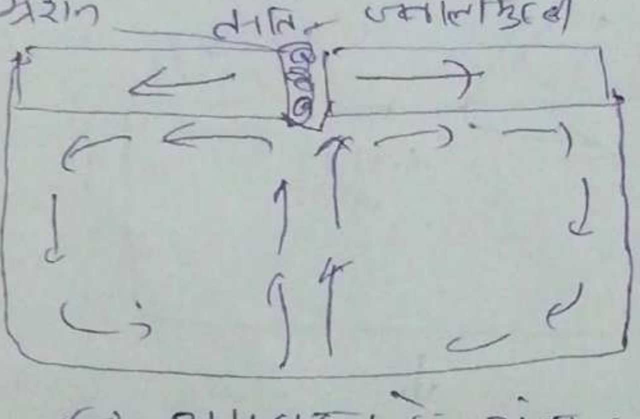

Fig: अपसरण से भ्रंश घाटी का निर्माण, e.g. कैलीफोर्निया की घाटी

स्पष्टतः भ्रंशन घाटी का निर्माण एक भौगोलिक घटना है जिसमे विभिन्न कारको की उपस्थिति मे भ्रंश घाटी का निर्माण होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. India's water resources have witnessed rapid depletion due to a mix of economic, geographic, and political factors. Explain and discuss its implications. (250 words) 15

भारत के जल संसाधनों में विभिन्न आर्थिक, भौगोलिक और राजनीतिक कारकों के संयोजन के कारण तेजी से ह्रास देखा गया है। स्पष्ट कीजिए एवं इसके निहितार्थों की विवेचना कीजिए।

भारत मे विश्व के कुल जल संसाधनो का 4% है। हाल ही मे जारी नीति आयोग की रिपोर्ट के अ. कम्पोजिट वाटर इंडेक्स के अनुसार भारत मे 2020 के अंत तक 21 शहरों मे भूमिगत जल समाप्त हो जायेगा।

विश्व संसाधन रिपोर्ट के अनुसार भारत मे पिछले दो दशको मे जल संसाधनो मे तीव्र ह्रास की स्थिति देखी गई है.

जल संसाधनो के ह्रास के आर्थिक कारक

① कृषि, औद्योगिक व घरेलू आर्थिक गतिविधियो मे जल का अत्यधिक उपयोग।

eg. कुल भूमिगत जल का 90% उपयोग कृषि मे सिंचाई हेतु।

② आर्थिक गतिविधियो से उत्पन्न अपशिष्ट के कारण जल प्रदूषण की समस्या।

eg. बेंगलोर मे झीलो मे सुपोषण की समस्या।

(5) सामाजिक

भौगोलिक कारक

① जल का असमान वितरण :- जल के असमान वितरण के कारण शुष्क क्षेत्रों में भूमिगत जल का अत्यधिक उपयोग किया जाता है

② भौगोलिक उच्चावच व मानसून: भौगोलिक उच्चावच में परिवर्तन ने मानसून को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है और जल संकट को उत्पन्न किया।
eg. पश्चिमी घाट की ऊंचाई में कमी व मानसूनी विषमता

राजनीतिक कारक

① राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव व अन्तर्राज्यीय नदी जल विवाद

② सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में एकीकृत दृष्टिकोण का अभाव

③ जल का राज्य सूची का विषय हो जिससे केन्द्र की भूमिका जल प्रबंधन में सीमित हो।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जल संसाधन मे ह्रास के निहितार्थ

① सूखा, अकाल व खाद्यान्न की समस्या को बढ़ावा।

② मरुस्थलीकरण की प्रवृति को बढ़ावा।

③ जैव विविधता का ह्रास व भूमि निम्नीकरण के कारण उर्वरता का ह्रास।

④ जल के लिये संघर्ष मे बढ़ता हिंसा, युद्ध की बढ़ती प्रवृति।

⑤ पर्यावरण प्रदूषण व जैव भू रासायनिक चक्र का नकारात्मक रूप से बाधित होना।

⑥ मानव सभ्यता के विकास पर विराम की स्थिति।

इस तरह जल संसाधन की बहुमूल्य प्रकृति को देखते हुये इसके संरक्षण व उचित प्रबंधन की दिशा मे बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाये जाने की आवश्यकता होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. How are plateaus formed? Also, briefly discuss the features of the Deccan plateau and its economic significance. (250 words) 15

पठार का निर्माण कैसे होता है? साथ ही, दक्कन के पठार की विशेषताओं और इसके आर्थिक महत्व की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

पठार एक द्वितीयक क्रम की भू आकृति है जिसका निर्माण विभिन्न बहिर्जात व अन्तर्जात बलो की सम्मिलित प्रक्रिया के आधार पर होता है।

पठार का निर्माण

1. विवर्तनिकी से पठार का निर्माण

→ इसमे अन्तर्जात बलो के कारण कोई क्षेत्र आस पास के क्षेत्रो की अपेक्षा थोडा उठ जाता है।

eg. तिब्बत का पठार

22

(2) ज्वालामुखी पठार

→ ज्वालामुखी से लावा के उद्गार से पठार का निर्माण होता है

eg. दक्कन का पठार

(3) अपरदात्मक पठार

→ जब अपरदन के कारक पर्वतो को काटकर सपाट व कम ऊंचाई का कर देते है तो भी पठार का निर्माण होता है

eg. अप्लेशियन श्रेणी के पठार

(5) निक्षेपात्मक पठार — जल व अपरदन के कारक विभिन्न गतिविधियों से निक्षेपण को जमा कर भी पठार का निर्माण करते है
eg. लोयस का पठार

दक्कन के पठार की विशेषता

(1) यह दरारी उद्गार से निर्मित ज्वालामुखी पठार है।

(2) दक्कन के पठार मे लौह अंश की मात्रा अधिक है इसके साथ ही यहाँ काली मिट्टी का विशाल क्षेत्र विद्यमान है

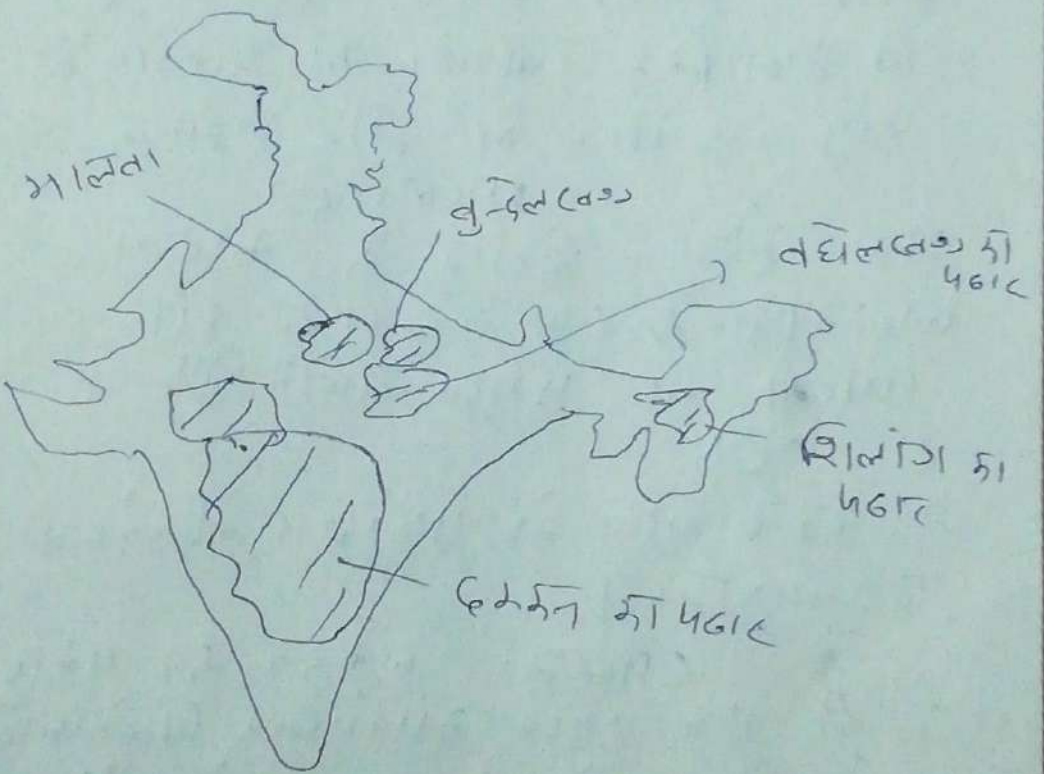

भारत के पठारी क्षेत्र।

Don't write anything in this margin
इस भाग में कुछ मत लिखें

(3) दक्कन का पठार उत्तर में अरावली से दक्षिण के लेकर दक्षिण में कार्डमम की पहाड़ियों तक विस्तृत है।

(4) दक्कन के पठार में पर्याप्त उच्चावच के कारण यहाँ नदियों व जलप्रपातों का भी निर्माण होता है।

दक्कन के पठार का आर्थिक महत्व

(1) यह काली मिट्टी का विशाल क्षेत्र है जो कृषि व कृषि आधारित गतिविधियों का क्षेत्र है।

(2) दक्कन का पठार लावा से निर्मित होने के कारण इसके नीचे धात्विक व अधात्विक खनिजों का भंडार है eg कर्नाटक में लौह अयस्क धारवाड़ क्षेत्र

(3) यह क्षेत्र ऊँचाई के कारण जलविद्युत के रूप से ठंडा है और पर्यटन का प्रमुख आधार है।

(4) भवन निर्माण में प्रमुख खनिजों की उपलब्धता।

स्पष्टतः दक्कन का पठार भारत की एक प्रमुख भौगोलिक विशेषता है जिसका बहुत ही व्यापक उपयोग है।